

मृच्छकालिका
(बहुविकल्पीय प्रश्न)

- 1- मृच्छकालिका में किस अंक का नाम 'सान्धेद्देद' है ?
(A) द्वितीय अंक (B) प्रथम अंक
(C) तृतीय अंक (D) चतुर्थ अंक
- 2- तृतीय अंक किस नाम से प्रसिद्ध है ?
(A) मरगिन्ना-शर्विलका (B) सान्धेद्देद
(C) दुर्दिन (D) दुर्दिन-सान्धेद्देद
- 3- 'अंलकार-न्नास' का वर्णन है -
(A) प्रथम अंक में (B) तृतीय अंक में
(C) द्वितीय ~~अंक~~ अंक में (D) पञ्चम अंक में
- 4- 'बहुदोषा हि शक्ती।' यह मृच्छकालिका के अंक में वर्णित है।
(A) द्वितीय (B) तृतीय
(C) चतुर्थ (D) प्रथम
- 5- 'द्विरदेन्द्रगीतः' मृच्छकालिका में प्रयुक्त है।
(A) शकार के लिए (B) रूद्रण के लिए
(C) चाहदत्त के लिए (D) विदूषक के लिए

उत्तर : 1(C), 2(B), 3(A), 4(D), 5(B)

6- मृच्छकटिक में 'धूतकरसंवाहक' किस अंक का नाम है ?

(A) षष्ठ अंक

(B) तृतीय अंक

(C) चतुर्थ अंक

(D) द्वितीय अंक

7- शकार ने वसन्तसेना के कितने नाम रखे थे ?

(A) दस

(B) सात

(C) ग्यारह

(D) पाँच

8- वसन्तसेना किस कस्तुरी शोभा के समान थी ?

(A) मीषम

(B) वर्षा

(C) वसन्त

(D) शरद

9- 'गुणः खल्वनुरागस्य कारणम्, न पुनर्बलात्कारः।' यह ~~कथन~~ कथन है -

(A) शकार का

(B) वसन्तसेना का

(C) मैत्रेय का

(D) विट का

10- 'लिम्पतीव तमोऽङ्गनि।' इसमें कौन सा अलंकार है ?

(A) उत्प्रेक्षा

(B) उपमा

(C) सन्देह

(D) रूपक

~~उत्तर (A) शकार~~

उत्तर : 6(D), 7(A), 8(C), 9(B), 10(A)